मूल्य 1 रु.
वर्ष: 16 - अंक : 07, मुंबई, शुक्रवार, 1 मई, 2026 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल ®
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त
अब हर सच होगा उजागर

मालाड में विवाहिता से धोखाधड़ी

दिंडोशी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज, राजस्थान में छिपे होने की आशंका

डेढ़ साल की शादी, 6 महीने के मासूम बच्चे को छोड़कर भागा पति

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एवं मुंबई पुलिस आयुक्त से इंसाफ की गुहार

मालाड की पीड़ित विवाहिता ने महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री तथा मुंबई पुलिस आयुक्त से हाथ जोड़कर भावुक अपील की है कि उसके साथ हुई धोखाधड़ी के मामले में तुरंत कड़ी कार्रवाई की जाए। पति और सास द्वारा घर में रखे गहने, नकदी, जरूरी दस्तावेज और कीमती सामान लेकर फरार होने के बाद वह गहरे सदमे में है। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी को अभी केवल डेढ़ साल हुए हैं और उसका 6 महीने का मासूम बच्चा भी है। ऐसे कठिन समय में पति द्वारा पत्नी और बच्चे को छोड़कर भाग जाना उसके लिए बहुत बड़ा आघात है। आज वह अपने छोटे बच्चे के भविष्य, सुरक्षा और न्याय के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है।

पीड़िता ने सरकार और पुलिस प्रशासन से मांग की है कि आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, फरार आरोपियों से पूरा सामान और रकम बरामद कर उसे वापस दिलाया जाए तथा पीड़ित परिवार को सुरक्षा और न्याय दिया जाए। यह सिर्फ एक महिला की लड़ाई नहीं, बल्कि हर उस बेटी और बहू की आवाज है जो भरोसे के नाम पर धोखा झेलती है। अब पूरा समाज चाहता है कि दोषियों को सजा मिले और पीड़िता को न्याय। **"एक मां की पुकार है, एक मासूम बच्चे का भविष्य दांव पर है सरकार और पुलिस प्रशासन जल्द इंसाफ दिलाए।"**

पीड़िता ने इंसाफ की लगाई गुहार, तलाश में जुटी पुलिस

दैनिक मुंबई हलचल ने उठाई आवाज, सख्त कार्रवाई की मांग

मुंबई हलचल कार्यालय संपर्क : 9821238815

तारीक अनवर बेहलीम (पति) फरार

साइरा अनवर बेहलीम (सास) फरार

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मालाड के दिंडोशी इलाके से स्क्वार्टर कॉलोनी में एक विवाहिता के साथ धोखाधड़ी का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता के पति तारीक अनवर बेहलीम और सास साइरा अनवर बेहलीम घर में रखे गहने, नकदी और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए हैं। इस संबंध में दिंडोशी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है और पुलिस आरोपियों के आरोपियों के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई करेगी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

फरार आरोपियों की मदद करने वालों पर भी गिरेगी कानूनी गाज

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पति और सास को फरार होने, घर बेचने तथा संपत्ति ठिकाने लगाने में जिन लोगों ने सहयोग किया है, उनके खिलाफ भी जल्द सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। जानकारी सामने आई है कि इस पूरे मामले में करीब 7 से 8 लोगों की संलिप्तता होने की आशंका जताई जा रही है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि जिन लोगों ने आरोपियों को छिपाने, भागने, सामान बेचने या आर्थिक लेन-देन में मदद की है, उन सभी के नाम सामने लाए जाएंगे और उनके खिलाफ भी दिंडोशी पुलिस स्टेशन में अलग से शिकायत एवं एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

कानूनी जानकारों के अनुसार, किसी आरोपी को फरार होने में मदद करना, सबूत छिपाना, संपत्ति बेचने में सहयोग देना या अपराध में साथ देना भी गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। ऐसे सभी लोगों पर कानून के तहत कड़ी कार्रवाई संभव है।

अब पीड़ित परिवार ने मांग की है कि मुख्य आरोपियों के साथ-साथ उनके मददगारों को भी गिरफ्तार कर पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जाए।

"जो भी दोषियों के साथ खड़ा है, कानून अब उसे भी छोड़ेगा नहीं।"

हमारी बात

ये जो चुनाव हुआ

पहले चुनाव बिल्कुल दोषमुक्त होते थे ऐसा नहीं कहा जा सकता। लेकिन तब उन्हें ऐसे युद्ध की तरह भी नहीं लड़ा जाता था, जिसमें विरोधी को समूल नष्ट कर देने की भावना हो।

कभी चुनाव को लोकतंत्र का उत्सव समझा जाता था। तब चुनाव बिल्कुल दोषमुक्त थे या वे पूरी तरह स्वतंत्र एवं निष्पक्ष ढंग से आयोजित होते थे, ऐसा नहीं कहा जा सकता। लेकिन तब उन्हें ऐसे युद्ध की तरह भी नहीं लड़ा जाता था, जिसमें विरोधी को समूल नष्ट कर देने की भावना हो। अब ऐसा ही नजारा खास कर वैसे राज्य में देखने को मिलता है, जहां कोई गैर-भाजपा दल अब तक मजबूती से खड़ा रहा हो। पश्चिम बंगाल में इस बार विधानसभा चुनाव कुछ ऐसे ही माहौल में संपन्न हुआ। एसआईआर प्रक्रिया सहित अन्य मामलों में निर्वाचन आयोग की विवादित भूमिका से लेकर अर्धसैनिक बलों द्वारा घेराबंदी और केंद्रीय जांच एजेंसियों की एकतरफा जैसी दिखने वाली कार्रवाइयों के निशाने पर ममता बनर्जी रहीं। भाजपा नेतृत्व ने अब अपनी पहुंच से बाहर रहे इस किले को जीत लेने की व्यूह-रचना में किसी राजनीतिक मान-मर्यादा का ख्याल नहीं रखा। ये कहने का अर्थ कतई यह नहीं है कि ममता बनर्जी नैतिक या मर्यादित राजनीति करती हैं। उनकी सियासत में भी बाहुबल और तोड़-जोड़ का उतना ही पुट रहा है। उनकी सफलता में ऐसे रुझानों का योगदान है। बहरहाल, यही ध्यान देने की बात है। अब चुनावों में ऐसी प्रवृत्तियां ही निर्णायक महत्व की हो गई हैं। इसका शिकार विकास और राष्ट्र-निर्माण से संबंधित मुद्दे बने हैं। नीतिगत बहसें हाशिये पर चली गई हैं। जन-कल्याण के नाम पर अधिक से अधिक यही नजर आता है कि तमाम पार्टियां बैंक खातों में नकदी डालने के वादे बढ़-चढ़ कर करती हैं। उन्हें उससे भी ज्यादा भरोसा जाति-धर्म जैसे बांटने वाले मुद्दों पर लोगों को गोलबंद करने की रणनीति पर रहता है। ऐसे संकेत हैं कि इस बार केरल के विधानसभा चुनाव में भी ऐसे पहचान-गत मुद्दे प्रमुख हो गए। यानी जिस राज्य की राजनीतिक चर्चा के केंद्र में शिक्षा और स्वास्थ्य, और विकास संबंधी योजनाएं रहती थीं, वहां भी अगड़े- पिछड़े, हिंदू- मुस्लिम- ईसाई जैसी अस्मिताओं पर ध्रुवीकरण के संकेत मिले। ऐसे में उत्सव जैसे माहौल का गायब हो जाना लाजिमी ही है। उलटे अब हर चुनाव एक तरह का जख्म छोड़ कर जाने लगा है!

चिंचनी दरगाह पर खतना कैंप; सोशल काम के लिए लोगों का उत्साह से रिस्पॉन्स

संपत आनंदराव जाधव सांगली

सांगली/महाराष्ट्र। तहसील तासगांव के चिंचनी में हज़रत मस्तान शाह वली दरगाह शरीफ़ में एक कम लागत वाला मेडिकल खतना कैंप सफलतापूर्वक लगाया गया, जिसे नूर उल इस्लामिक सोशल सर्विस ऑर्गनाइज़ेशन, मालगांव और सुन्नत जमात चिंचनी ने मिलकर सफलता पूर्वक आयोजित किया। तासगांव, चिंचनी के साथ-साथ सांगली जिले के बोरगांव, नेलकरंजी, डोंगरसोनी, सांगली, बारामती, कोल्हापुर वगैरह के अलग-अलग हिस्सों से जरूरतमंद लोगों ने इस कैंप में अपनी मर्जी से रिस्पॉन्स दिया। चालीस से ज़्यादा लोगों ने इस पहल का फ़ायदा उठाया और अपने बच्चों का खतना करवाया। नूर उल इस्लामिक सामाजिक सेवा संस्था पिछले तीन-चार सालों से सोशल सेक्टर में एक्टिव है और ब्लड डोनेशन कैंप, हेल्थ कैंप और खतना कैंप जैसी अलग-अलग एक्टिविटीज़ करके समाज की सेवा कर रहा है। ये एक्टिविटीज़ ऑर्गनाइज़ेशन के सेक्रेटरी गौस मुजावर (इंटरनेशनल ह्यूमन

राइट्स ऑर्गनाइज़ेशन, मिरज वाइस प्रेसिडेंट) और यूथ लीडर फारूक मुल्ला की पहल पर लगातार चल रही हैं। इस इवेंट में इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइज़ेशन के सांगली डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट अनवर इनामदार चीफ गेस्ट के तौर पर मौजूद थे। अपनी स्पीच में उन्होंने कहा, ₹समाज की सेवा करना कोई आसान काम नहीं है, इसके लिए समय, पैसा और लगन चाहिए। नूर इस्लामिक सोशल ऑर्गनाइज़ेशन बिना किसी स्वार्थ के काम कर रहा है और हम ऐसे ऑर्गनाइज़ेशन के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरतमंद और कमज़ोर लोगों की मदद करना हर किसी की ज़िम्मेदारी है। इवेंट के दौरान, ऑर्गनाइज़ेशन के सेक्रेटरी गौस मुजावर ने ऑर्गनाइज़ेशन के काम के बारे में डिटेल में जानकारी दी। चिंचनी ग्राम पंचायत के वाइस सरपंच भागवत दादा जाधव ने ऑर्गनाइज़ेशन के काम की तारीफ़ की और शुभकामनाएं दीं। दरगाह कमेटी की तरफ से आए हुए लोगों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर डिप्टी सरपंच भागवत दादा जाधव, चिंचनी विकास सोसाइटी के डायरेक्टर मोहन तुकाराम पाटिल, यूथ लीडर समरजीत भैया अविनाश काका पाटिल, फारूक मुल्ला, रईस पठान, हाफिज अकबर अली, डॉ. शब्बीर मुलानी, ओबीसी संगठन मिरज तहसील के अध्यक्ष आयनुद्दीन मुजावर, संस्था के ट्रेजरर उमर फारूक मुजावर, महमदरफिक मुजावर, हाफिज साबिर, हाफिज नेहाल, अंसार मुजावर और दूसरे बड़े लोग मौजूद थे। साथ ही, सुन्नत जमात चिंचनी कमेटी के मेंबर और गांव वाले भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। अपने प्रेसिडेंशियल स्पीच में पाटिल ने इस पहल की तारीफ की और कहा कि यह सर्विस बहुत काम की है और सभी को शुभकामनाएं दीं। इस कैंप के सफल आयोजन के लिए सुन्नत जमात चिंचनी, OBC तसगांव तहसील के प्रेसिडेंट फारूक मुल्ला, हाफिज अकबर अली, तोशिफ मुजावर, रईस पठान के साथ-साथ नूर उल इस्लामिक ऑर्गनाइज़ेशन के सदस्यों और चिंचनी इलाके के नागरिकों से खास सहयोग मिला।

दिल्ली से भेजे गए दो बच्चे कानपुर के राजकीय बाल सुधार गृह से भागे, तलाश जारी, सुराग अब तक नहीं

कानपुर। यहां राजकीय बाल सुधार गृह से पढ़ने के लिए जाते समय फरार हुएदो बच्चों का सुराग अभी तक नहीं मिल पाया है । उनकी तलाश लगातार की जा रही है ,लेकिन उनका सुराग समाचार लिखे जाने तक नहीं मिल पाया है। फरार हुए बच्चों में एक बच्चा शहर का है, जबकि दूसरा फतेहपुर का रहने वाला है। घटना के बाद अधीक्षक ने कल्याणपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मिली जानकारी के मुताबिक फतेहपुर के हेजड़ी नीम बाकरगंज चौकी क्षेत्र निवासी 12 वर्षीय बालक और कानपुर के गंगापुर कॉलोनी, आजाद नगर निवासी 15 वर्षीय किशोर दिल्ली में गुमशुदा हालत में मिले थे। इसके बाद दोनों को कानपुर के कल्याणपुर स्थित राजकीय बालक गृह भेजा गया, जहां उनकी देखरेख की जा रही थी। बच्चों का दाखिला पास के स्कूल में भी कराया गया था। यह घटना सुबह तब हुई जब करीब 10 बजे दोनों बच्चों को पढ़ाई के लिए स्कूल भेजा गया था, लेकिन दोपहर करीब 12 बजे दोनों स्कूल से ही फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही राजकीय बालक गृह में हड़कंप मच गया। कर्मचारियों ने तुरंत बच्चों की तलाश शुरू की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद मामले की रिपोर्टकल्याणपुर थाने में दर्ज कराई गई है । इस बारे में जानकारी देते जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह ने बताया कि अधीक्षक रतन की ओर से मामले में रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद पुलिस दोनों बच्चों की तलाश में जुटी है लेकिन अभी तक उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

ज्यादा मतदान प्रतिशत का उत्सव !

देश में मत प्रतिशत बढ़ने का उत्सव मनाया जा रहा है। चुनाव आयोग इसे लोकतंत्र की मजबूती और जीत का प्रतीक बता रहा है। भारतीय जनता पार्टी से लेकर राइटविंग इको सिस्टम इस बात से आह्लादित है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर से मतदाता सूची की ऐसी सफाई हुई कि मतदान बढ़ गया। असल में मतदान तो औसत रफ्तार से ही बढ़ा है। मतदान प्रतिशत जरूर बढ़ा है, जिसके पीछे एक बड़ा कारण एसआईआर है। मतदान किस रफ्तार से बढ़ा है इसे सिर्फ एक आंकड़े से समझा जा सकता है। पश्चिम बंगाल में 10 फीसदी मतदान बढ़ने का हल्ला है। लेकिन असल में मतदान करने वाले लोग 3.6 फीसदी ही बढ़े हैं, जो पिछले 10 चुनावों में सबसे कम है। जाहिर जब 91 लाख लोगों के नाम कट जाएंगे तो वह मतदान प्रतिशत में जो प्रतिबिम्बित होगा ही। बहरहाल, अब सवाल है कि चार राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, केरल और तमिलनाडु और एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में सामान्य से बहुत ज्यादा मतदान होने से क्या किसी तरह का चुनावी संकेत मिलता है? इसका जवाब है कि कोई संकेत नहीं मिलता है और यह एक्जिट पोल के अनुमानों से भी जाहिर होता है। जैसे पश्चिम बंगाल और केरल में मतदान प्रतिशत बढ़ा तो सत्ता बदलने का अनुमाना है लेकिन तमिलनाडु, पुडुचेरी और असम में मतदान बढ़ा तो वहां सत्तारूढ़ दल की वापसी का संकेत है। इसका अर्थ है कि मतदान प्रतिशत बढ़ने या घटने का नतीजों पर कोई एक निश्चित असर नहीं होता है। यह असर अलग अलग राज्यों में अलग अलग हो सकता है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

OTEK Electronics ने स्मार्ट डिवाइस पोर्टफोलियो का विस्तार किया, देशभर में तेज़ी से बढ़ने का लक्ष्य

मुंबई। महाराष्ट्र स्थित कंज्यूमर टेक्नोलॉजी कंपनी OTEK Electronics ने अपने स्मार्ट और आसानी से उपयोग होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की रेंज को बढ़ाते हुए भारतीय बाज़ार में अपनी पकड़ मजबूत करने की दिशा में कदम तेज़ कर दिए हैं। हाल ही में आयोजित एक ब्रांड शोकेस में कंपनी ने अपने नए उत्पादों की श्रृंखला पेश की। इस मौके पर प्रसिद्ध अभिनेता श्री राकेश बेदी भी मौजूद रहे, जिन्हें हाल ही में धुरंधर में जमील जमाली के किरदार के लिए देश-विदेश में सराहना मिल रही है। OTEK (Bora Multicorp समूह की कंपनी) द्वारा आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में श्री बेदी ने आधुनिक उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी उत्पादों की नई रेंज का अनावरण किया। इस अवसर पर OTEK से प्रशांत बोरा, रितेश ब्रह्मेचा और मनीष जैन भी उपस्थित रहे।

कंपनी ने कई मांग वाले प्रोडक्ट कैटेगरी पेश किए, जिनमें भारत का पहला AI-आधारित माउस, नए दौर के स्मार्ट प्रोजेक्टर, 32 से 98 इंच तक के स्मार्ट टीवी और ऊर्जा-कुशल एयर कूलर शामिल हैं। इस लॉन्च के साथ OTEK के 50 से अधिक उत्पादों वाले मौजूदा पोर्टफोलियो को और मजबूती मिली है, जो रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। रोजमर्रा के इलेक्ट्रॉनिक्स को ज्यादा स्मार्ट और सुलभ बनाने के अपने विज़न के साथ, OTEK खुद को इनोवेशन और उपयोगिता के संगम पर स्थापित कर रही है। नए उत्पादों में उन्नत तकनीक को आम भारतीय घरों तक पहुंचाने पर खास ध्यान दिया गया है। श्री प्रशांत बोरा और श्री रितेश ब्रह्मेचा के पास कंपनियों को खड़ा करने और आगे बढ़ाने का एक दशक से अधिक का अनुभव है। अपनी टीम के साथ मिलकर वे ऐसे प्रोडक्ट्स पर काम कर रहे हैं जो स्मार्ट, आसानी से इस्तेमाल होने वाले और अलग पहचान रखने वाले हों—जहां बेहतर डिजाइन, आसान उपयोग और खास फीचर्स हर उत्पाद को अलग बनाते हैं। स्मार्ट और किफायती उत्पादों की बढ़ती मांग को देखते हुए, OTEK के प्रोडक्ट्स को घर और काम—दोनों जगहों पर आसानी से इस्तेमाल करने योग्य बनाया गया है। कंपनी डीलर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स और उपभोक्ताओं के बड़े वर्ग तक पहुंच बनाने पर फोकस कर रही है। इस आयोजन के जरिए चैनल पार्टनर्स के साथ जुड़ाव भी और मजबूत हुआ, क्योंकि OTEK ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्लेटफॉर्म्स पर अपने वितरण नेटवर्क का विस्तार कर रही है। प्रोडक्ट डेवलपमेंट, मैन्युफैक्चरिंग, मार्केटिंग और सेल्स में अनुभवी टीम के सहयोग से कंपनी लगातार नए इनोवेशन लाने के लिए प्रतिबद्ध है। आगे चलकर OTEK अपने उत्पादों की रेंज को और बढ़ाने के साथ-साथ देशभर में अपनी मौजूदगी को मजबूत करने की योजना बना रही है।

अभिनय क्षेत्र के वरिष्ठ कलाकारों के लिए CAWT को मैं अपनी केसरी, सावंतवाडी स्थित एक एकड़ जमीन देने को तैयार हूं : रविंद्र चव्हाण

डोंबिवली/नवी मुंबई। अभिनय क्षेत्र के दिग्गज कलाकारों को हम फिल्मों के पर्दे पर देखते हैं। इस क्षेत्र में मिलने वाली शोहरत और पैसे की बातें अक्सर सुनने को मिलती हैं, लेकिन जब वही कलाकार इस चमक-दमक से दूर हो जाते हैं, तब उनके जीवन में कितनी परेशानियां होती हैं, यह शायद ही किसी को नजर आता है। ऐसे वरिष्ठ कलाकारों की समस्याओं, उनकी जरूरतों और बीमारियों को ध्यान में रखते हुए सुप्रसिद्ध अभिनेता दिलीप कुमार, सुनील दत्त, मिथुन चक्रवर्ती, जॉनी लिवर और आशा पारेख जैसे कलाकारों ने मिलकर CAWT जैसा मंच तैयार किया है। इस संस्था द्वारा किया जा रहा कार्य वास्तव में सराहनीय है, ऐसा वक्तव्य भाजपा के महाराष्ट्र प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने मुंबई में दिया। सिने आर्टिस्ट वेलफेयर ट्रस्ट (CAWT) और सिने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन की ओर से CAWT की स्थापना और CINTAA-CAWT टॉवर के निर्माण में जिन ट्रस्टी कलाकारों ने

महत्वपूर्ण योगदान दिया, उनमें सुप्रसिद्ध अभिनेता दिलीप कुमार, सुनील दत्त, मिथुन चक्रवर्ती, जॉनी लिवर, आशा पारेख, अमरीश पुरी, अमजद खान, चंद्रशेखर वैद्य और दारा सिंह जैसे दिग्गज कलाकार हैं। इन कलाकारों के सम्मान में उनके फोटो और जानकारी वाले फलक का उद्घाटन आज भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के हाथों किया गया। इस अवसर पर वे बोल रहे थे। रविंद्र चव्हाण ने आगे कहा कि हर कलाकार के जीवन में एक ऐसा सुनहरा दौर होता है जब वह प्रसिद्धि के शिखर पर होता है, लेकिन समय के साथ जब वह दौर गुजर जाता है, तो समाज भी उसे नजरअंदाज करने लगता है। उनकी कोई खबर लेने वाला नहीं रहता। आज ऐसे लगभग 9 से 10 हजार कलाकार इस स्थिति का सामना कर रहे हैं। इनके साथ ही सिने क्षेत्र में काम करने वाले अन्य कामगारों की संख्या भी काफी बड़ी है, जिन्हें सामाजिक जीवन में अनेक कठिनाइयों से जूझना पड़ता है। CAWT की अध्यक्षा प्रीति सप्रू ने मुझे इन सभी समस्याओं के बारे में जानकारी दी है। इन समस्याओं के समाधान के लिए मैं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और सांस्कृतिक मंत्री आशिष शेलार से चर्चा कर जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने का प्रयास करूंगा। उन्होंने आगे कहा कि CAWT को वरिष्ठ कलाकारों के लिये मैं कोकण मे केसरी, सावंतवाडी स्थित अपनी एक एकड़ जमीन देने के लिए तैयार हूं। इस कार्यक्रम में रविंद्र चव्हाण के साथ वरिष्ठ अभिनेत्री और CAWT की अध्यक्षा प्रीति सप्रू, ट्रस्ट की सचिव संभावना सेठ, कोषाध्यक्ष दीपक पराशर, अभिनेता राजपाल यादव, मनोज जोशी, मुकेश ऋषि, अयूब खान, अभिनेत्री कुनिका और फिल्म व टीवी जगत के कई कलाकार उपस्थित थे।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मालाड में विवाहिता से धोखाधड़ी

पीड़िता के अनुसार, 19 अप्रैल को पति ने उसे मीठी-मीठी बातों में फंसाकर होटल में खाना खिलाया और भरोसे में लिया। इसी दौरान पति और उसकी मां ने घर में रखी लगभग 25 से 30 तोला सोना, करीब 4 से 5 लाख रुपये नकद, वाहन बेचकर प्राप्त रकम, पीड़िता की जमा पूंजी, कीमती सामान तथा जरूरी दस्तावेज लेकर फरार हो गए।

सूत्रों के अनुसार, दोनों आरोपी राजस्थान की ओर कहीं छिपे होने की आशंका है। पुलिस इस दिशा में भी जांच कर रही है। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी को अभी करीब डेढ़ साल ही हुए हैं और उसका 6 महीने का मासूम बच्चा है। ऐसे में पति द्वारा पत्नी और छोटे बच्चे को छोड़कर भाग जाने से परिवार सदमे में है। पीड़िता ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर उसे इंसाफ दिलाया जाए। यदि किसी व्यक्ति को आरोपियों के बारे में कोई भी जानकारी मिले तो तुरंत दिंडोशी पुलिस स्टेशन को सूचित करें। दैनिक मुंबई हलचल (संपर्क : 9821238815) ने पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए इस मामले को प्रमुखता से उठाया है और कहा है कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

'अब और ब्लास्ट नहीं', नागपुर विस्फोटक हादसों पर हाई कोर्ट सख्त

नागपुर विदर्भ क्षेत्र में स्थित विस्फोटक निर्माण इकाइयों में हो रहे जानलेवा हादसों को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता जम्मू आनंद की ओर से हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई। इस पर सुनवाई के बाद न्यायाधीश अनिल किलोर और न्यायाधीश राज वाकोडे ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि हम और दूसरा ब्लास्ट नहीं चाहते हैं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल भी खड़े किए, साथ ही 10 जून तक हलफनामा प्रस्तुत करने के आदेश भी दिए। याचिकाकर्ता की ओर से अधि। अरविंद वाघमारे ने पैरवी की। गलत धारा में जांच और केंद्र की चुप्पी पर उठे सवाल याचिकाकर्ता की ओर से अदालत के समक्ष यह अहम मुद्दा उठाया गया कि इतने संगीन और गंभीर मामले में केंद्र सरकार ने 'द एक्सप्लोसिव एक्ट 1884' की धारा 9A के तहत जांच की अधिसूचना ही जारी नहीं की। याचिकाकर्ता के अनुसार तत्कालीन जिलाधिकारी ने इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद धारा 9(1) के तहत एक सामान्य जांच बैठा दी, जो सरासर गलत है। नियमानुसार, धारा 9A के तहत जांच टीम में भारत सरकार के मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, सक्षम जांच अधिकारी और कानून व मामले के विशेषज्ञों का शामिल होना अनिवार्य है। याचिकाकर्ता ने बताया कि इस गंभीर लापरवाही के बावजूद केंद्र सरकार ने अब तक चुप्पी साध रखी है, जिसे हाई कोर्ट ने गंभीरता से लिया है। सुनवाई के दौरान अदालत का रुख प्रशासन के प्रति बेहद सख्त रहा। हाई कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा, 'हम और दूसरा ब्लास्ट नहीं चाहते। गरीब लोग मरे हैं इसीलिए मामले को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है?' अदालत ने चेतावनी दी कि यदि इस मामले में सही तरीके से जांच नहीं की गई तो कोर्ट सख्त आदेश जारी करेगा।

बंगाल चुनाव में दोबारा वोटिंग की हलचल बढ़ी

77 बूथों पर री-पोल की मांग पर चुनाव आयोग ने दिखाई सख्ती, मामले की जांच के बाद लिया जाएगा अंतिम फैसला, मामले को हल्के में नहीं ले सकते

संवाददाता / नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के बाद अब 77 बूथों पर दोबारा मतदान की मांग ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। आयोग इन शिकायतों की गंभीरता से जांच कर रहा है। दक्षिण 24 परगना जिले की चार सीटों से आई शिकायतों में ईवीएम से छेड़छाड़, कैमरों में बाधा और मतदान प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोप शामिल हैं। आयोग ने साफ किया है कि बिना पूरी जांच के कोई फैसला नहीं लिया जाएगा, लेकिन मामले को हल्के में नहीं लिया जा रहा है।

दक्षिण 24 परगना जिले की चार सीटों से आई शिकायतों में ईवीएम से छेड़छाड़, कैमरों में बाधा और मतदान प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोप लगे

इन सीटों पर री-पोल की मांग उठी

- फालता से 32 शिकायतें दर्ज हुईं।
- डायमंड हार्बर से 29 शिकायतें मिलीं।
- मगराहाट से 13 और बजबज से 3 शिकायतें आईं।
- 77 बूथों पर दोबारा मतदान की मांग की गई है।
- गंभीर आरोप और शिकायतें
- ईवीएम में छेड़छाड़ और मशीनों पर पदार्थ डालने का आरोप।
- निगरानी कैमरों को बाधित करने की कोशिश।
- मतदाताओं को प्रभावित करने के आरोप।

चुनाव आयोग ने विशेष पर्यवेक्षक को जांच की जिम्मेजारी सौंपी

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने विशेष पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता को मौके पर जांच के निर्देश दिए हैं। हर बूथ का फिजिकल निरीक्षण किया जा रहा है। अन्य पर्यवेक्षकों से भी रिपोर्ट ली जा रही है। रिपोर्ट के आधार पर ही पुनर्मतदान पर अंतिम फैसला होगा। जरूरत पड़ी तो जल्द ही दोबारा मतदान कराया जा सकता है।

शर्ट में स्पाई कैमरे रखने का भी दावा

मगराहाट पश्चिम में एक गंभीर आरोप सामने आया है। मतदाताओं की शर्ट में स्पाई कैमरे रखने का दावा किया गया। इससे वोट की गोपनीयता पर सवाल खड़े हुए हैं।

ज्ञानेश कुमार ने मतदाताओं की सराहना की

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 ने मतदान के सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इसे आजादी के बाद का 'सबसे बड़ा जनभागीदारी वाला चुनाव' बताते हुए राज्य के मतदाताओं की सराहना की है। दो चरणों में हुए इस चुनाव का समापन बुधवार को हुआ, जहां मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पहले चरण में 93 फीसदी से अधिक और दूसरे चरण में 92 फीसदी से ज्यादा मतदान दर्ज किया गया। कुल मिलाकर औसत मतदान लगभग 92.5 प्रतिशत के आसपास रहा, जो राज्य के चुनावी इतिहास में अभूतपूर्व है।

पिछले सभी आंकड़े टूटे

आयोग के अनुसार 2011 का चुनाव सबसे अधिक मतदान वाला माना जाता था, लेकिन इस बार के आंकड़ों ने उस रिकॉर्ड को काफी पीछे छोड़ दिया। 2016, 2021 और 1996 के चुनावों की तुलना में भी इस बार वोटिंग प्रतिशत कहीं ज्यादा रहा। दूसरे चरण में 140 से ज्यादा सीटों पर मतदान हुआ, जिसमें कई जिलों ने शानदार प्रदर्शन किया। पुरबा बर्धमान सबसे आगे रहा।

राजधानी में आयोजित किए गए राष्ट्रीय सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए बोले रक्षा मंत्री

अब आतंकी हमले का जवाब निर्णायक कार्रवाई से देता भारत: राजनाथ सिंह

संवाददाता / नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को पहलगाम आतंकवाद हमले की प्रतिक्रिया यानी ऑपरेशन सिंदूर को याद करते हुए कहा कि यह भारत का एक ऐसा सैन्य अभियान है। जिसने पूरी दुनिया को साफ शब्दों में यह संदेश दे दिया है कि आज का भारत किसी भी आतंकवादी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा और अब उसका जवाब पहले की तरह के कूटनीतिक बयान तक सीमित नहीं रहेगा। बल्कि हमारी कार्रवाई निर्णायक होगी।

जो इस मामले में देश की अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। ये नए वैश्विक युग का भारत है, जो आतंकवाद और उसके समर्थकों में कोई भेद नहीं करता। प्रधानमंत्री मोदी की भी यही स्पष्ट नीति है, जिसने बदलते वैश्विक परिदृश्य के बीच देश को बदल दिया। यह जानकारी रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित किए गए 'राष्ट्रीय सुरक्षा सम्मेलन-2.0' को संबोधित करते हुए दी है।

सिंदूर को अपने समय, शर्तों पर रोका

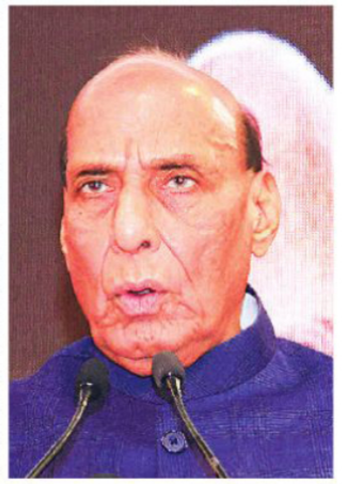

उन्होंने कहा, आतंकवाद मानवता पर एक काला धब्बा है, जो विकृत और कुटिल मानसिकता से उपजा है। ऐसे में इसके खिलाफ लड़ाई सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला नहीं है। बल्कि मूल रूप से मानवता के मूलभूत मूल्यों की रक्षा की लड़ाई है। सिंदूर अभियान को हमने अपनी शर्तों, चुने हुए समय पर अंजाम दिया और इसे पूरी तरह अपनी ही शर्तों पर रोका है। भारत ने सटीकता से उन्हीं लोगों को निशाना बनाया। जिन्होंने हम पर हमला किया था। हम लंबे वक्त तक चलने वाले संघर्ष को जारी रखने के लिए तैयार थे। आज भी हमारे पास आवश्यक अतिरिक्त क्षमता, संकट की परिस्थिति में उसे बढ़ाने की ताकत भी है। रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह अभियान हालांकि 72 घंटे में पूरा हो गया था। लेकिन इसके पूर्व में हमारी तैयारियां व्यापक और लंबी थीं। वर्तमान में हमारी प्रतिरोध की रणनीति में आपातकालीन-तेजी से संसाधन जुटाने की क्षमता, रणनीतिक भंडार और स्वदेशी रूप से बनाए गए हथियारों की सिद्ध विश्वसनीयता शामिल है।

काम नहीं आई परमाणु हमले की धमकी

आतंकवाद की मौजूदगी सामूहिक शांति, विकास और समृद्धि के लिए खतरा बनी रहेगी। जिसे धार्मिक रंग देकर या नक्सलवाद का नाम देकर उचित ठहराने का प्रयास किया जाता है। यह बेहद खतरनाक है और एक प्रकार से आतंकियों को अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने में मदद करता है। सिंदूर में भी परमाणु हमले की धमकी बेदम साबित हुई, हमने घुटने नहीं टेके और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया। आतंकवाद केवल राष्ट्रविरोधी कृत्य नहीं है। यह परिचालन, वैचारिक और राजनीतिक आयामों से जुड़ा हुआ है। जिनसे इनके साथ ही निपटा जा सकता है। हमारे सैन्य-औद्योगिक परिसर ने समय-समय पर ये साबित किया है कि वो केवल शांतिकाल की जरूरतों को पूरा करने तक सीमित नहीं है। बल्कि युद्धकाल में तीव्र गति से आपूर्ति, लॉजिस्टिक्स मांगों की पूर्ति में भी सक्षम हैं।

पाक का आईटी 'अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद'

राजनाथ के मुताबिक, भारत और पाकिस्तान को एक ही समय में (1947) में ही स्वतंत्रता मिली थी। लेकिन आज भारत को विश्व स्तर पर सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के लिए जाना जाता है। जबकि पड़ोसी दुश्मन देश को एक अलग प्रकार के आईटी यानी अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के केंद्र के रूप में माना जाता है। ऑपरेशन सिंदूर सशस्त्र बलों की एकजुटता, तालमेल का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिससे ये पता चलता है कि देश की सैन्य शक्ति अब अलग-थलग नहीं है। बल्कि यह संयुक्त, एकीकृत और वैश्विक शक्ति के रूप में उभरी है।

सुदर्शन प्रणाली एआई की अनोखी मिसाल

रक्षा मंत्री ने बताया कि सुदर्शन वायु रक्षा प्रणाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का एक बेहतरीन उदाहरण पेश करती है। ऐसी उभरती हुई तकनीक के जरिए भारत अधिक सुरक्षित और मजबूत बनेगा। राजनाथ ने एआई का अर्थ संवर्धित पैदल सेना बताते हुए कहा, जो सैनिकों की क्षमताओं को बढ़ा रही है और इसकी मदद से आतंकियों का पता लगाने, निर्णायक कार्रवाई करने में मदद मिलती है। एआई ने हमारी सटीकता, आक्रमण करने की क्षमता को बढ़ाया है। आधुनिक युद्ध की मांगों की पूर्ति के लिए सेना ने रुद्र ब्रिगेड, भैरव बटालियन, शक्तिबान तोपखाना रेजिमेंट व दिव्यास्त्र बैटरी जैसी लड़ाकू इकाइयां स्थापित की हैं। जो हाइब्रिड खतरों का तुरंत जवाब देने में सक्षम है। लेकिन फिर भी एआई को आशावादी नजरिए से नहीं देखा जा सकता है। हमें डीपफेक, साइबर युद्ध, साइबर हथियार प्रणालियां नई चुनौतियों »शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

अनिल समूह से जुड़े घोटाले पर 8 मई को सुनवाई

मुंबई। अनिल धीरूभाई अंबानी समूह से जुड़े कथित बड़े बैंकिंग घोटाले के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई को 8 मई तक टाल दिया है। यह मामला हजारों करोड़ रुपए के कथित लोन फ्रॉड से जुड़ा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसे पूर्व नौकरशाह ईएएस सरमा ने दायर किया है। 40,000 करोड़ के बैंक लोन में धोखाधड़ी का केस है।

करिश्मा के बच्चों को राहत संपत्ति लेनदेन पर रोक

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिवंगत संजय कपूर की संपत्ति से जुड़े एक अहम मामले में बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर के बच्चों को बड़ी अंतरिम राहत प्रदान की है। अदालत ने उनकी सौतेली मां प्रिया कपूर को संजय कपूर की संपत्तियों के साथ किसी भी प्रकार का लेनदेन करने से पूरी तरह रोक दिया है। दिवंगत संजय की संपत्ति को सुरक्षित रखा जाना चाहिए।

शेयर मार्केट में हरियाली

मुंबई। पश्चिम एशिया तनावों के बीच पिछले दिन की गिरावट के बाद हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ। हालांकि निवेशकों द्वारा ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली करने के चलते प्रमुख बेंचमार्क दिन के उच्चतम स्तर से तेजी से नीचे आ गए।

अंतर-मंत्रालयी प्रेस कांफ्रेंस में भारत सरकार ने दी जानकारी

खरीफ के लिए देश में उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद, प्रमुख क्षेत्रों में स्थिरता बनाएं

नागरिकों को सहायता प्रदान करें

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग तथा विदेश मंत्रालय शामिल रहे

संवाददाता / नई दिल्ली

राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित अंतर-मंत्रालयी प्रेस कांफ्रेंस (पश्चिम एशिया के घटनाक्रमों पर) में भारत सरकार ने उर्वरक की स्थिति को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी है। इस ब्रीफिंग में मुख्य रूप से यह सुनिश्चित किया गया कि आगामी खरीफ सीजन के लिए देश में उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। पश्चिम एशिया में बदलती परिस्थितियों के बीच, भारत सरकार नियमित सूचनाओं के माध्यम से नागरिकों को सूचित रखने के अपने प्रयासों को जारी रखे हुए है। प्रेस वार्ता में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय तथा विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने ईंधन की उपलब्धता, समुद्री संचालन, क्षेत्र में भारतीय नागरिकों को सहायता और प्रमुख क्षेत्रों में स्थिरता बनाए रखने के लिए उठाए जा रहे उपायों के बारे में जानकारी दी। उर्वरक मंत्रालय ने उर्वरक क्षेत्र से संबंधित अद्यतन जानकारी भी साझा की।

प्रमुख उर्वरकों के एमआरपी में कोई बदलाव नहीं

वैश्विक उर्वरक कीमतों में भारी वृद्धि के बावजूद यूरिया की अंतरराष्ट्रीय कीमतें 4,000 रुपए प्रति बोरी से अधिक हो गई हैं। सरकार किसानों को 266.5 रुपए प्रति 45 किलो बोरी की रियायती दर पर आपूर्ति जारी रखे हुए है। यह किसानों को मूल्य अस्थिरता से बचाने के साथ सामर्थ्य और उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उर्वरकों का स्टॉक

प्रेस कांफ्रेंस की मुख्य बातें

- बंपर स्टॉक: खरीफ सीजन के लिए कुल 390.54 लाख मीट्रिक टन की आवश्यकता के मुकाबले, सरकार ने 190 एलएमटी (49%) से अधिक स्टॉक पहले ही जमा कर लिया है, जो सामान्य 33% की आवश्यकता से काफी बेहतर है।
- कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं: यूरिया 266.5 प्रति 45 किलोग्राम बैग, डीएपी 1350 और टीएसपी 1300 प्रति बैग की पुरानी दरों पर ही मिलेगा।
- अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों का सामना: पश्चिम एशिया में हालिया तनाव के बावजूद, सरकार ने उर्वरक कंपनियों के साथ मिलकर वैश्विक स्तर पर 38.07 एलएमटी प्लस 25एलएमटी आईपीएल यूरिया का आयात सुनिश्चित किया है।

उर्वरक स्टॉक की स्थिति और देशभर में उपलब्धता

- खरीफ 2026 के लिए, कृषि एवं किसान संघ द्वारा उर्वरक की आवश्यकता 390.54 लाख मीट्रिक टन आंकी गई है, जबकि वर्तमान में स्टॉक लगभग 190 लाख मीट्रिक टन (49 प्रतिशत) है, जो सामान्य स्तर (लगभग 33 प्रतिशत) से काफी अधिक है। यह सरकार के अग्रिम भंडारण और कुशल रसद प्रबंधन को दर्शाता है।
- इन राज्यों में आपूर्ति की स्थिति मजबूत बनी हुई है। 1 अप्रैल, 2026 से 26 अप्रैल, 2026 की अवधि के लिए, उपलब्धता आवश्यकता से काफी अधिक है।
- यूरिया की उपलब्धता 20.54 लाख मीट्रिक टन की आवश्यकता के मुकाबले 71.40 लाख मीट्रिक टन है, डीएपी की उपलब्धता 6.67 लाख मीट्रिक टन की आवश्यकता के मुकाबले 23.09 लाख मीट्रिक टन है।

उर्वरकों का घरेलू उत्पादन आयात का किया समाधान

- घरेलू यूरिया उत्पादन के लिए प्राकृतिक गैस की उपलब्धता से संबंधित मुद्दों का भी समाधान कर लिया गया है, उर्वरक संयंत्रों को निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त एलएनजी/आरएलएनजी की व्यवस्था की जा रही है। वर्तमान में उर्वरक संयंत्रों के पास 97 प्रतिशत एलएनजी/आरएलएनजी उपलब्ध है। अधिकांश यूरिया संयंत्र इष्टतम स्तर पर चल रहे हैं।
- वैश्विक यूरिया निविदा- फरवरी 2026 में, भारत ने 13.07 लाख मीट्रिक टन यूरिया प्राप्त किया और अब सरकार ने आयात स्रोतों में विविधता लाकर वैश्विक निविदा के माध्यम से 25 लाख मीट्रिक टन यूरिया प्राप्त किया है।
- डीएपी, टीएसपी और अमोनियम सल्फेट के लिए वैश्विक निविदा - भारतीय उर्वरक कंपनियों ने शुक्रवार, 24 अप्रैल, 2026 को 12 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 4 लाख मीट्रिक टन टीएसपी और 3 लाख मीट्रिक टन अमोनियम सल्फेट की खरीद के लिए संयुक्त वैश्विक निविदा जारी की है। इससे पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।
- उर्वरकों के उत्पादन के लिए आवश्यक सामग्रियों, जैसे यूरिया और फास्फोरस एवं पोटेशियम उर्वरकों की उपलब्धता में कोई बड़ी समस्या नहीं है।
- अब तक ईजीओएस की 6 बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं।

लद्दाख पर बोले नेता प्रतिपक्ष राहुल

युवाओं के आशियाने बदले गए लोकतांत्रिक हक भी कुचले गए

संवाददाता / नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख पर पीएम मोदी और केंद्र को घेरा है। उन्होंने एक्स पर लिखा, लद्दाख के युवाओं ने मुझे बताया कि किस तरह उनके खूबसूरत आशियाने को एक पुलिस राज में बदल दिया गया है। उनकी आवाज दबा दी गई है, लोकतांत्रिक अधिकारों को कुचल दिया गया है और उनकी जमीन और नाजुक पर्यावरण को पीएम मोदी के अरबपति मित्रों के हवाले किया जा रहा है। 'एक्स' पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने दावा किया कि लद्दाख के खूबसूरत परिवेश को 'पुलिस राज' में तब्दील कर दिया गया है, जहां स्थानीय जनता की आवाज को दबाया जा रहा है।

'पुलिस राज' और कॉर्पोरेट कब्जे का आरोप

राहुल ने पोस्ट में लद्दाख के युवाओं के साथ हुई बातचीत का हवाला देते हुए लिखा कि वहां लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन हो रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लद्दाख की जमीन और वहां के नाजुक पर्यावरण को पीएम मोदी के अरबपति मित्रों के हवाले किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

स्थानीय लाभ वाला विकास चाह रही जनता

राहुल ने स्पष्ट किया कि लद्दाख के नागरिक विकास के विरोधी नहीं हैं। वहां की जनता रोजगार और नए उद्योग चाहती है, लेकिन वे ऐसा विकास चाहते हैं जिससे स्थानीय लोगों को सीधा लाभ मिले, न कि बाहरी बड़े पूंजीपतियों को। वहां के लोग अपने भविष्य और संसाधनों पर अपना अधिकार चाहते हैं।

शाह आज करेंगे कई परियोजनाओं का उद्घाटन

लद्दाख में डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा

सहकारिता आधारित ग्रामीण विकास को सुदृढ़ करने की दिशा में अहम पहल के तहत केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार को लद्दाख में विभिन्न डेयरी अवसंरचना और सहकारी पहलों का उद्घाटन करेंगे। यह कार्यक्रम लेह स्थित केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान में आयोजित होगा, जिसमें केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह और उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना भी मौजूद रहेंगे।

दिल्ली में ओले, नोएडा में तेज बारिश तो गुरुग्राम में छाया अंधेरा

संवाददाता / नई दिल्ली

नोएडा, गुरुग्राम और गाजियाबाद समेत पूरे दिल्ली-एनसीआर में अचानक मौसम ने ऐसी करवट ली कि दोपहर में ही रात जैसा नजारा दिखा। चिलचिलाती गर्मी के बीच आसमान में काले घने बादलों ने डेरा डाला, जिससे् श्यता काफी कम हो गई। नोएडा और पूर्वी दिल्ली के दिलशाद गार्डन, शाहदरा और विवेक विहार जैसे इलाकों में जमकर ओले गिरे। धूल भरी तेज हवाओं से सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम गई। बादलों की भीषण गड़गड़ाहत ने मानसून की आहट पैदा कर दी है। मौसम विभाग के अनुसार धूल भरी आंधी के चलते तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे उमस भरी गर्मी से राहत मिली है।

गर्मी से मिली राहत तो धूल भरी तेज हवाओं से आई आफत

लोगों को रहना होगा सावधान

मध्य और दक्षिण दिल्ली के आईटीओ, इंडिया गेट, अक्षरधाम और लाजपत नगर समेत कई प्रमुख हिस्सों में मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक का सिलसिला शुरू हो सकता है। मौसम विभाग ने अगले 120 मिनट के लिए इन इलाकों में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। धूल भरी आंधी और बारिश ने तापमान को गिरा दिया है, लेकिन दृश्यता कम होने से यातायात प्रभावित हो सकता है।

कुफरी समेत ऊपरी इलाकों में भारी ओलावृष्टि

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में मौसम का कहर देखने को मिला। मौसम की वजह से राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू का अटल टनल के बाद बुधवार को पालमपुर का दौरा भी रद्द हो गया। शिमला और मनाली में गुरुवार को भारी बारिश की वजह से मौसम ठंडा हो गया है।

केदारनाथ यात्रा पर बढ़ा खतरा

रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, चमोली, और पिथौरागढ़ जैसे जनपदों में मौसम का मिजाज काफी सख्त बना हुआ है। रुद्रप्रयाग जिले में अचानक हुई झमाझम बारिश और तेज हवाओं ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है, जिसके चलते केदारनाथ यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन सचेत है।

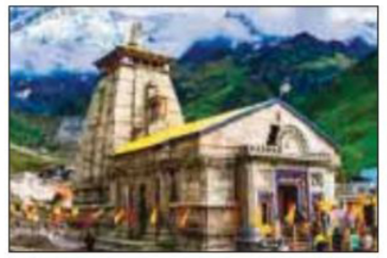

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कच्चे तेल में भारी उछाल : ब्रेंट क्रूड 125 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा, 2022 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर भारी तेजी दर्ज की गई है। गुरुवार को ब्रेंट क्रूड ऑयल उछलकर 120 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया है, जो वर्ष 2022 के बाद का सबसे उच्चतम स्तर है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष में गतिरोध और ईरानी बंदरगाहों व निर्यात पर अमेरिका की लंबी नाकेबंदी की चिंताओं के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका से यह भारी उछाल आया है। इस ऊर्जा संकट के पीछे अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव एक प्रमुख कारण है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है जिसमें होर्मुज़ जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की पेशकश की गई थी; ट्रंप का स्पष्ट कहना है कि जब तक कोई व्यापक परमाणु समझौता नहीं हो जाता, तब तक रोक जारी रहेगी। नाकेबंदी के संभावित प्रभावों को कम करने के लिए ट्रंप ने तेल कंपनियों के साथ बैठक भी की है। इसके साथ ही, ट्रंप ने अपने 'ट्रुथ सोशल' प्लेटफॉर्म पर ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि उसे ₹जल्द समझदारी दिखानी चाहिए₹। इस पोस्ट में एक एआई-जनरेटेड तस्वीर भी साझा की गई, जिसमें ट्रंप को

बंदूक पकड़े हुए दिखाया गया है और पीछे विस्फोट हो रहे हैं, साथ ही 'नो मोर मिस्टर नाइस गाय!' का संदेश लिखा गया है। विश्लेषकों ने इस स्थिति को दुनिया के अब तक के सबसे बड़े ऊर्जा व्यवधान के रूप में वर्णित किया है, जिसमें हजारों लोगों की जान जा चुकी है।

बाजार के आंकड़े: लगातार बढ़ रही हैं कीमतें

■ जून अनुबंध के लिए ब्रेंट क्रूड वायदा 1.91 डॉलर (1.62 प्रतिशत) बढ़कर 119.94 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जो लगातार नौवें दिन बढ़त की राह पर है।

■ जुलाई का अधिक सक्रिय अनुबंध 0.85 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 111.38 डॉलर पर कारोबार कर रहा है।

■ अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (WTI) क्रूड भी 0.59 प्रतिशत चढ़कर 107.51 डॉलर प्रति बैरल हो गया है; डब्ल्यूटीआई पिछले नौ सत्रों में आठवीं बार चढ़ा है।

■ लगातार बढ़ते इन तेल दामों का सीधा असर भारत पर भी पड़ रहा है, जहां कंपनियों के मुनाफे और कॉरपोरेट मार्जिन पर भारी दबाव देखा जा रहा है।

भारत के शहद निर्यात पर 10 फीसदी निर्यात शुल्क लगाया

अमेरिका के साथ शहद निर्यात पर शुल्क का मुद्दा उठाए भारत सरकार : सीएआई

मुंबई हलचल / मुंबई

अमेरिका द्वारा भारत के शहद निर्यात पर फिलहाल 10 प्रतिशत के शुल्क के कारण देश के शहद निर्यातकों को काफी नुकसान हो रहा है और उन्होंने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से अमेरिका के समक्ष इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाने और इसे पूर्वस्तर पर लाने की मांग की है।

इससे शहद निर्यातकों को अच्छा दाम मिल सकेगा और शहद उत्पादक किसानों को उचित लाभ मिल सकेगा। मधुमक्खीपालन उद्योग परिसंघ (कनफेडरेशन ऑफ एपीकल्चर इंडस्ट्री या सीएआई) के अध्यक्ष देवव्रत शर्मा ने बताया, शुल्क युद्ध शुरु होने से पहले, भारत से निर्यात होने वाले शहद पर शून्य शुल्क लगता था जिसे मौजूदा समय में 10 प्रतिशत किया गया है।

अमेरिका 90 दिन बाद शुल्क 26 फीसदी करना चाह रहा

तीन महीने या 90 दिन तक यह शुल्क फिलहाल 10 प्रतिशत रहेगा लेकिन उसके बाद अमेरिका इसे 26 प्रतिशत करने की मंशा रखता है। इस वृद्धि के बाद भारतीय शहद निर्यात बुरी तरह प्रभावित होगा क्योंकि उसपर 520 डॉलर प्रति टन का शुल्क लागू हो जायेगा।

समस्या सुलझाने की मांग

इससे भारतीय शहद निर्यात प्रभावित होता है और अंततः भारत के मधुमक्खीपालक किसान प्रभावित हो रहे हैं। मधुमक्खीपालक किसानों और उद्योग की ओर से सीएआई अध्यक्ष ने वाणिज्य मंत्री से अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में देश के किसानों की इस समस्या को सुलझाने की मांग की है ताकि किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

भारत का 90 फीसदी शहद अमेरिका को निर्यात

शर्मा ने कहा कि भारत का सर्वाधिक 90 प्रतिशत शहद का निर्यात अमेरिका को किया जाता है। अमेरिका यदि शुल्क बढ़ाएगा तो हमारे देश का मधुमक्खीपालन उद्योग बुरी तरह प्रभावित होगा। उल्लेखनीय है कि सरसों से निकले शहद की उसके औषधीय गुण के कारण सबसे अधिक निर्यात मांग है।

प्राकृतिक शहद के मुकाबले फिल्टर शहद सस्ता

सीएआई के अध्यक्ष ने बताया कि प्राकृतिक शहद के मुकाबले फिल्टर किया गया शहद इसलिए भी सस्ता होता है क्योंकि शहद में पाये जाने वाले और 20 माइक्रॉन आकार के पोषक तत्व को अलग कर दिया जाता है। शुल्क के अलावा भारत पर डंपिंग-रोधी शुल्क 2.5 प्रतिशत लगता है और वियतनाम पर यह शुल्क 100 प्रतिशत है। लेकिन वियतनाम के फिल्टर शहद होने के कारण यह डंपिंग-रोधी शुल्क 'शून्य' हो जाता है।

■ देश के शहद निर्यातकों को इससे काफी नुकसान हो रहा

■ अमेरिका के समक्ष मुद्दे को गोयल से जोर शोर से उठाने की मांग

■ पहले भारत से निर्यात होने वाले शहद पर शून्य शुल्क लगता था

वियतनाम व अर्जेंटीना भी बड़ी चुनौती *: सीएआई के अध्यक्ष ने कहा कि अभी देश के मधुमक्खीपालकों और शहद निर्यातकों के सामने वियतनाम और अर्जेन्टीना भी चुनौती पेश कर रहे हैं। ये देश शहद को फिल्टर कर उसे 1,500-1,600 डॉलर प्रति टन के भाव निर्यात कर रहे हैं। इन देशों की कम कीमत के कारण भारतीय शहद (2,000 प्रति टन) के समक्ष चुनौती पैदा हो रही है।*

देश के निर्यातकों को 2000 डॉलर प्रति टन मिल रहा

शर्मा ने कहा कि देश के शहद निर्यातकों को पहले ही काफी कम दाम (लगभग 2,000 डॉलर प्रति टन) मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस शुल्क वृद्धि के कारण शहद निर्यात के लिए जो पहले 2,000 डॉलर प्रति टन का अधिकतम निर्यात मूल्य (एमईपी) अनिवार्य किया गया था और इसमें शहद निर्यातकों एवं किसानों के लाभ की कल्पना की गई थी, वे सब बेअसर हो जाएंगे।

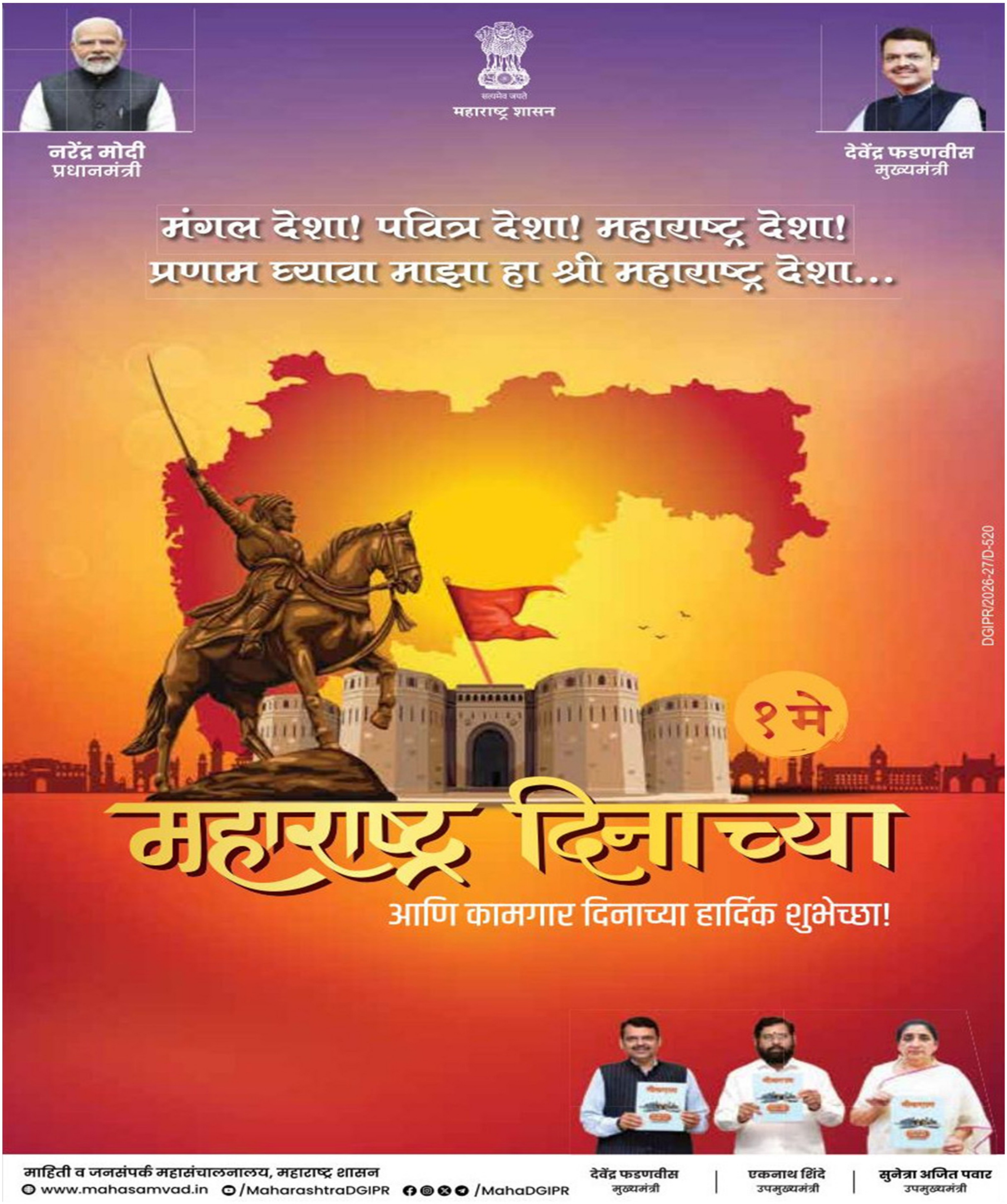
सत्यमेव जयते
महाराष्ट्र शासन
नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री
देवेंद्र फडणवीस
मुख्यमंत्री
मंगल देशा! पवित्र देशा! महाराष्ट्र देशा!
प्रणाम घ्यावा माझा हा श्री महाराष्ट्र देशा...
१ मे
महाराष्ट्र दिनाच्या
आणि कामगार दिनाच्या हार्दिक शुभेच्छा!
DGIPR/2026-27/D-520
माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय, महाराष्ट्र शासन
www.mahasamvad.in /MaharashtraDGIPR /MahaDGIPR
देवेंद्र फडणवीस
मुख्यमंत्री
एकनाथ शिंदे
उपमुख्यमंत्री
सुनेत्रा अजित पवार
उपमुख्यमंत्री

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

नोरा फतेही की धमाकेदार वापसी

मैंडॉक फिल्म्स और दिनेश विजन फिर से अपने हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स में म्यूज़िक और मस्ती का तड़का लेकर आए हैं। इस बार चर्चा में है फिल्म 'थामा' का नया धमाकेदार गाना 'दिलबर की आंखों का', जिसमें नोरा फतेही अपने ट्रेडमार्क डांस मूव्स और ग्लैमरस अंदाज में फिर से स्क्रीन पर छा गई हैं। फिल्म का यह दूसरा गाना रिलीज़ होते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा है। इससे पहले फिल्म का पहला गाना 'तुम मेरे ना हुए, ना सही' और ट्रेलर दोनों ही यूट्यूब पर धमाल मचा चुके हैं। अब 'दिलबर की आंखों का' के साथ 'थामा' की टीम ने एक और म्यूजिकल हिट दे दी है। नोरा फतेही ने 'स्त्री' के सुपरहिट सॉन्ग 'कमरिया' से दर्शकों का दिल जीत लिया था, अब 'थामा' के जरिए फिर से मैंडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स में लौट आई हैं। फैंस के लिए यह एक तरह का फुल-सर्कल मोमेंट है, जहां डांस, ग्लैमर और नोरा का जादू फिर से एक साथ नजर आ रहा है। गाने की कोरियोग्राफी की है विजय गांगुली ने, जिन्होंने इसे एक रंगीन और हाई-एनर्जी डांस ट्रीट में बदल दिया है। वहीं, सचिन-जिगर की रिदमिक धुनें और रश्मीत कौर की दमदार आवाज ने इसे और भी एनर्जेटिक बना दिया है। गाने के बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं, जो रोमांस और मस्ती का परफेक्ट ब्लेंड पेश करते हैं। नोरा फतेही ने बताया कि 'दिलबर की आंखों का' परफॉर्म करना मेरे लिए एक एड्रेनालिन रश जैसा था।

अक्षय खन्ना के फैन निकले बॉबी देओल

बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल ने फिल्म इंडस्ट्री में 30 साल से भी ज्यादा का सफर तय कर लिया है। इस दौरान उन्होंने कई नामी एक्ट्रेसेस के साथ काम किया। एक्टर ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि कौन-सी एक्ट्रेसेस उनके दिल के सबसे करीब हैं। बॉबी देओल ने इस सवाल पर कही मजेदर जवाब दिया। बॉबी देओल ने कहा कि प्रीति जिंटा, रानी मुखर्जी और ट्विंकल खन्ना मेरे दिल के बहुत करीब हैं। ये तीनों मेरे करियर में बेहद खास जगह रखती हैं और मेरे साथ इनका रिश्ता काफी मजबूत है। बॉबी ने आगे बताया कि उनके करियर की शुरुआत ही ट्विंकल खन्ना के साथ हुई थी। उनकी पहली फिल्म 'बरसात' (1995) में ट्विंकल उनकी को-स्टार थीं और इसी फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड भी मिला था। बॉबी देओल ने आगे कहा कि ट्विंकल मेरी पहली को-स्टार थीं, इसलिए वो हमेशा मेरे दिल के करीब रहेंगी। उन्होंने प्रीति जिंटा के साथ अपने रिश्ते पर बात करते हुए कहा कि प्रीति के साथ मैंने 'सोल्जर', 'हीरोज' और 'झूम बराबर झूम' जैसी फिल्मों में काम किया है। वह न सिर्फ एक शानदार को-एक्ट्रेस हैं, बल्कि एक बेहतरीन इंसान भी हैं। हमारी दोस्ती आज भी वैसी ही है।

गौरी खान को पाने के लिए शाहरुख ने पार की हर हद

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है। फैंस फिर से शाहरुख खान और गौरी खान की लव स्टोरी को याद कर रहे हैं। गौरी भले ही पर्दे पर ज्यादा न दिखी हों, लेकिन उन्होंने प्रोड्यूसर के तौर पर बॉलीवुड की कई हिट फिल्में दी हैं। वहीं, शाहरुख और गौरी का रिश्ता हमेशा से फैंस के लिए एक मिसाल रहा है। दोनों की शादी को अब 27 साल से भी ज्यादा हो चुके हैं, लेकिन उनकी लव स्टोरी आज भी उतनी ही रोमांटिक लगती है। दोनों की पहली मुलाकात 1984 में एक कॉमन फ्रेंड की पार्टी में हुई थी, जहां शाहरुख 18 साल के थे और गौरी किसी और के साथ डांस कर रही थीं।

तभी शाहरुख को गौरी पसंद आ गईं। हालांकि गौरी ने पहले इंकार कर दिया, लेकिन बाद में दोनों के बीच दोस्ती और फिर प्यार पनपा। गौरी के बिना शाहरुख खान बेचैन हो जाते थे। एक बार जब गौरी बिना बताए दोस्तों के साथ चली गईं, तो शाहरुख उन्हें ढूंढने पूरे शहर में निकल पड़े और आखिरकार एक बीच पर उन्हें पा लिया। वहीं दोनों ने एक-दूसरे से शादी करने का वादा किया। मगर असली मुश्किल तब आई जब बात शादी की आई। शाहरुख मुस्लिम और गौरी हिंदू ब्राह्मण परिवार से थीं। गौरी के पिता इस रिश्ते के खिलाफ थे। लेकिन शाहरुख ने हार नहीं मानी। उन्होंने गौरी के परिवार को मनाने के लिए खूब कोशिश की और आखिरकार सफल हुए।